NS – 090

III Semester B.Sc. Examination, November/December 2016
(Semester Scheme) (Repeaters) (2014-15 Only)
LANGUAGE HINDI – III
Hindi Natak, Pramukh Sahityakar Aur Sankshepan

Time : 3 Hours | Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(10×1=10)**

1) सुवास किसकी पत्नी है ?

2) ''चाणक्य और चाणक्य'' नाटक के लेखक कौन हैं ?

3) चाणक्य का जन्म कहाँ हुआ था ?

4) चाणक्य को किससे घृणा थी ?

5) कोपल किसका सहपाठी था ?

6) विद्यापीठ की स्थापना किसने की ?

7) पर्वतेश्वर की हत्या किसने की ?

8) रुद्रसेन ने किसका अपहरण किया ?

9) अर्थशास्त्र की रचना किसने की ?

10) चाणक्य किस स्थिति से गुजरता है ?

BMSCW

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **(8×3=24)**

1) कहीं कोई पीड़ित हो तो वह उसकी सहायता करता है, फिर उस सत्ता के विरोध में अपने साथ ले लेता है ।

2) यही कि यदि राजा नन्द तुम्हारी शिखा खींचता, तुम्हें राज–सभा से बाहर न निकालता और तुम्हें साम्राज्य का ? कोई पद दे देता ।

3) न्याय ? न्याय क्या उन्हें 'उदीच्य खण्ड' के दिग्पाल नहीं दे सके ?

4) तुम्हारा साम्राज्य जीवन की लालसा और भावुक–संबंध अब मेरे लिए बहुत छोटे हो चुके हैं ।

5) इन काठ के पुतलों से सच्चाई जानने की आशा न रखो सम्राट ।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(16×2=32)**

1) ''चाण्क्य और चाणक्य'' नाटक के आधार पर 'सुवास' का चरित्र-चित्रण किजिए ।

2) च्चाणक्य और चाणक्य नाटक का सारांश लिखकर विशेषताएँ बताइए ।

3) ''किसी रचना की पृष्ठ भूमि ऐतिहासिक अथवा पौराणिक हो सकती है, परंतु उसका मूल कथ्य रचनाकार का अपना युग ही होता है''। 'चाणक्य और चाणक्य' नाटक के आधार पर इस कथन की पृष्ठि कीजिए ।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(7×2=14)**

1) अभिनव ।

2) चन्द्रगुप्त ।

3) रानी ।

4) विद्यापीठ अंक ।

BMSCW

V. किसी **एक** साहित्यकार का परिचय दीजिए : **(10×1=10)**

1) मन्नु भण्डारी ।

2) महादेवी वर्मा ।

VI. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए : **(10×1=10)**

शिक्षा के विषय में विद्यार्थियों पर किसी प्रकार का बोझ या दबाव नहीं है । वे अपनी रुचि के अनुसार किसी भी विषय में शिक्षा पा सकते हैं । पूर्णिमा और अमावास्या के दिन साहित्य तथा संगीत-सम्मेलन हुआ करते हैं, जिनमें विद्यार्थी बड़े चाव से भाग लेते हैं और अपनी-अपनी रचनाएँ पढ़कर सुनाते हैं । सब विद्यार्थी सबेरे और शाम को भजन तथा प्रार्थना करते हैं । इस विश्व विद्यालय का लक्ष्य यही है कि सब लोग केवल एक परमपिता की उपासना करें, सबमें सदाचार का प्रचार हो और संसार में, भ्रातृभाव फैले ।

विश्वभारती आज संसार भर में मशहूर है । यहाँ एक विशाल पुस्तकालय है, जिसमें देश-विदेशों की मुख्य भाषाओं के प्रसिद्ध ग्रंथ हैं । यहाँ एक कला-भवन भी है, जिसमें नाना प्रकार के शिल्प और कला के सुन्दर नमुने, चित्र आदि रखे हुए हैं ।